भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. *241

सोमवार, 07 अगस्त, 2023/16 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना के तहत इको-पर्यटन सर्किटों का विकास

*241. श्री राजेन्द्र अग्रवाल:
श्री रमेश चन्द्र माझी:
क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश और ओडिशा सहित देश में विकसित किए गए इको-पर्यटन सर्किटों का ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त पर्यटन सर्किटों के लिए कितनी धनराशि संस्वीकृत की गई है;

(ग) उक्त पर्यटन सर्किट के अंतर्गत उत्तर प्रदेश और ओडिशा में कितनी परियोजनाएं अभी तक पूरी नहीं हुई हैं और उक्त परियोजनाओं के कब तक पूरा होने की संभावना है;

(घ) क्या सरकार का राज्य सरकार के साथ परामर्श करके स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के अंतर्गत उक्त सर्किट में हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य और नबरंगपुर वन्यजीव अभ्यारण्य को शामिल करने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

स्वदेश दर्शन योजना के तहत इको-पर्यटन सर्किटों का विकास के संबंध में दिनांक 07.08.2023 के लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. *241 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में विवरण

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने देश में थीम आधारित पर्यटक परिपथों के एकीकृत विकास के लिए वर्ष 2014-15 में 'स्वदेश दर्शन योजना' (एसडीएस) की शुरुआत की थी । इस मंत्रालय ने एसडीएस के विभिन्न चिह्नित थीमेटिक परिपथों के तहत उत्तर प्रदेश में 8 परियोजनाओं और ओडिशा में 01 परियोजना सहित देशभर में 5303.64 करोड़ रु. की राशि से कुल 76 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है । विभिन्न राज्यों में एसडीएस की इको परिपथ थीम के तहत 415.11 करोड़ रु. की कुल राशि से कुल 6 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है जिनका विवरण निम्नानुसार हैः

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	उत्तराखंड	2015-16	जिला टिहरी, उत्तराखंड में टिहरी झील और उसके आस-पास के क्षेत्र के एक नए गंतव्य के रूप में विकास हेतु इको पर्यटन, एडवेंचर खेलों, संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास	69.17
2.	तेलंगाना	2015-16	महबूब नगर जिले (सोमसिला, सिंगटम, कदलाइवनम, अक्कामहादेवी, इगलापंत, फराहबाद, उमामहेश्वरम, मल्लेलतीर्थम) में परिपथ का विकास	91.62
3.	केरल	2015-16	पत्तनमतिट्टा-गावी-वागामोन-तेक्कडी का विकास	64.08
4.	मिजोरम	2016-17	आइजोल - रॉपुईछिप - खावहपहवप - लेंगपुई - चटलांग - साकावरमुइतुइतलांग - मुथी - बेरातलवंग - तुरियल एयरफील्ड - हुमुईफांग में इको एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37
5.	मध्य प्रदेश	2017-18	गांधी सागर बांध – मंडलेश्वर बांध – ओंकारेश्वर बांध – इंदिरा सागर बांध- तवा बांध – बरगी बांध – भेडाघाट – बनसागर बांध – केन नदी का विकास	93.76
6.	झारखंड	2018-19	डालमा – बेतला राष्ट्रीय उद्यान – मिर्चैया – नेतरहाट में इको पर्यटन परिपथ का विकास	30.11
			कुल	415.11

स्थायी एवं जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) को 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)' का नया रूप दिया गया है । इस योजना के दिशानिर्देशों में राज्यों द्वारा तैयार की गई राज्य संदर्शी योजना (एसपीपी) के आधार पर गंतव्यों के चयन की परिकल्पना की गई है । उत्तर प्रदेश और ओडिशा की राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत एसपीपी में विकास हेतु हस्तिनापुर अथवा नबरंगपुर वन्यजीव अभ्यारण्य को शामिल नहीं किया गया है तथापि पर्यटन मंत्रालय ने एसडी 2.0 के तहत विकास हेतु उत्तर प्रदेश में 'प्रयागराज' और 'नैमिषारण्य' तथा ओडिशा में 'कोरापुट' को चिह्नित किया है ।

*****